

द्विवार्षिक स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

2- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

आचार्य नव्यव्याकरण

Acharya in Navyavyakarana

(Programme Code – AC-NVY)

L.O.C.F.

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा

2025-2026



(व्याकरण विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

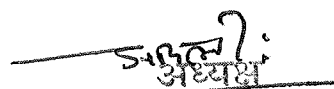
Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvtmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in


अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म. पा. सं. एवं वै. वि. वि.
उज्जैन (म. प्र.)

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित द्विवार्षिक आचार्य (नव्यव्याकरण) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम चार सत्राद्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्राद्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

द्विवार्षिक आचार्य (नव्यव्याकरण) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) त्रिवार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना

1. द्विवार्षिक आचार्य (नव्यव्याकरण) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंग पद्धति-

द्विवार्षिक आचार्य (नव्यव्याकरण) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\sum (\text{No. of credits in Semester}_i * \text{Grade Point in Semester}_i)}{\sum (\text{No. of Credits in Semester}_i)}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्राब्द के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्राब्द के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्राब्द में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें एटीकेटी प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्राब्द तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्राब्द में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर द्विवार्षिक आचार्य-नव्यव्याकरण की उपाधि प्रदान की जाएगी।

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को अधिकतम चार वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है। द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम में नामाङ्कित विद्यार्थियों के लिए केवल एक निकास बिन्दु (Exit point) उपलब्ध है। यदि कोई विद्यार्थी सफलतापूर्वक पहला शैक्षणिक वर्ष पूर्ण कर लेता है (44 क्रेडिट अर्जित करके), तो वह कार्यक्रम से बाहर निकल सकता है और उसे स्नातकोत्तर पत्रोपाधि प्रदान की जावेगी। विद्यार्थी बाहर निकलने के बाद अधिकतम दो शैक्षणिक वर्षों के भीतर अपनी स्नातकोत्तर उपाधि पूर्ण करने के लिए पुनः कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडि ट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्य क्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रे डि ट		
प्र थ म	प्रथ म	400	CC-11 लघुशब्देन्दुशेखरः (आदितः न पदान्त... इति सूत्रं यावत्)	5	इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप अथवा	22

म व र्ष	स त्रा र्द्ध	400	CC-12 महाभाष्यम् 4-5 आह्निकम्	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	
		400	CC-13 व्युत्पत्तिवादः (प्रथमाविभक्तिः)	5		
		400	CC-14 वैयाकरणभूषणसारः (आदितः सुबर्थनिर्णयं यावत्)	5		
	द्वि ती य स त्रा र्द्ध	400	CC-21 लघुशब्देन्दुशेखरः (अदर्शनं लोपः इति सूत्रात् सन्धन्तं यावत्)	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		400	CC-22 महाभाष्यम् 4-5 आह्निकम्	5		
		400	CC-23 व्युत्पत्तिवादः (प्राद्युपसर्गविचारतः आख्यातार्थस्य संख्यातार्थविचारः)	5		
		400	CC-24 वैयाकरणभूषणसारः (समासशक्तिप्रकरणाद् स्फोटनिर्णयं यावत्)	5		

टिप्पणी- वर्ष के अन्त में बाहर होने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर पत्रोपाधि प्रदान की जाएगी।

द्वितीय वर्ष विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)

द्वि ती य व र्ष	तृ ती य स त्रा र्द्ध	500	CC-31 वाक्यपदीयम् (आदितः द्विसप्ततिकारिकां यावत्)	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 महाभाष्यम् 8 आह्निकम्, वै.सि.ल. मञ्जूषा (शक्तिनिरूपणम्)	5		
		500	CC-33 सर्वदर्शनसंग्रहः	5		
		500	CC-34 व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः	5		
	चतु र्थ स त्रा र्द्ध	500	CC-41 वाक्यपदीयम् (द्विसप्ततिकारिकातः ब्रह्मकाण्डान्तं यावत्)	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-42 महाभाष्यम् 9 आह्निकम् वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषायाः लक्षणा व्यञ्जना च	5		
		500	CC-43 सर्वदर्शनसंग्रहः (वैशेषिकदर्शनम् इत्यारभ्य शाङ्करदर्शनं यावत्)	5		
		500	CC-44 व्याकरणशास्त्रीयनिबन्धः	5		

द्वितीय वर्ष विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)

द्वि ती य व र्ष	तृ ती य स त्रा र्द्ध	500	CC-31 वाक्यपदीयम् (आदितः द्विसप्ततिकारिकां यावत्)	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 महाभाष्यम् 8 आह्निकम्, वै.सि.ल. मञ्जूषा (शक्तिनिरूपणम्)	5		
		500	CC-33 सर्वदर्शनसंग्रहः	5		
		500	CC-34 व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः	5		
		चतु र्थ स त्रा र्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)			
द्वितीय वर्ष विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
द्वि ती य व र्ष	तृ ती य स त्रा र्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
	चतु र्थ स त्रा र्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22

पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोजगार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान

करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC-

रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटरशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटरशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटरन के साथ-साथ इंटरशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटरशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटरन कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटरशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

- i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटरशिप
- ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटरशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:		कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य:(स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध:- प्रथमः
		सत्रम् : 2025-26	
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT- VVNY11 VVNY11	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	लघुशब्देन्दुशेखरः (आदितः न पदान्त इति सूत्रं यावत्)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1.लघुशब्देन्दुशेखरे अस्य पाठ्यांशस्य अध्ययनानन्तरं छात्रः सिद्धान्तकौमुदीग्रन्थे व्याख्यातानां पाणिनीयसूत्राणाम् आशयम् ज्ञास्यन्ति। 2.सिद्धान्तकौमुदीग्रन्थे व्याख्यातानां संज्ञाप्रकरणस्थानां, परिभाषाप्रकरणस्थानां सूत्राणाम्, अपि च विशिष्टानां व्याकरणपरिभाषाणां च ज्ञानं प्राप्तवान् भवति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णाङ्काः	अधिकतमङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	संज्ञाप्रकरणम् (मङ्गलश्लोकः, अइउण्-इत्यादिवर्णसमाम्नायः, वर्णात्कारः, इति माहेश्वराणि, रप्रत्याहारः, अन्योन्याश्रयशङ्का, हलन्त्यम् (१), आदिरन्त्येन सहेता, हलन्त्यम् (२), अनेकान्ताः अनुबन्धाः, एकान्ताः) गतिविधिः- संज्ञाप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानं, कासाञ्चन परिभाषाणां ज्ञानं च।		15
2	संज्ञाप्रकरणम् (उपदेश आद्योच्चारणम्, प्रतिज्ञानुनासिक्याः पाणिनीयाः, ऊकालोऽङ्गदीर्घप्लुतः, उच्चैरुदात्तः, तस्यादित उदात्तमर्धह्रस्वम्, मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः, तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्, नासिकानुस्वारस्य। गतिविधिः- संज्ञाप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानं, कासाञ्चन परिभाषाणां ज्ञानं, स्थानप्रयत्नविवेकः च।		15
3	3 संज्ञाप्रकरणम् (यत्नो द्विधा, पूर्वत्रासिद्धम्, बाह्यप्रयत्नस्त्वेकादशधा, ऋलृवर्णयोः मिथः सावर्ण्यम्, अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः, तपरस्तत्कालस्य, वृद्धिरादैच्, भूवादयो धातवः, नवेति विभाषा, स्वं रूपं शब्दस्याशब्दसंज्ञा, येन विधिस्तदन्तस्य, विरामोऽवसानम्, सुप्तिङन्तं पदम्, हलोऽनन्तराः संयोगः, संयोगे गुरुः। गतिविधिः- संज्ञाप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानं, वार्तिकस्य अवगमनं, बाह्यप्रयत्नविवेकश्च।		15
4	परिभाषाप्रकरणम् (इको गुणवृद्धी, अचश्च, आद्यन्तौ टकितौ, मिदचोऽन्त्यात्परः, षष्ठीं स्थानेयोगा, स्थानेऽन्तरतमः, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, ङिच्च, स्वरितेनाधिकारः) गतिविधिः – परिभाषाप्रकरणस्थानां च सूत्राणाम् अर्थावगमनः।		15
5	अचसन्धिप्रकरणम् (अचसन्धिप्रकरणस्य इको यणचि इत्यतः न पदान्तद्विवचन... इति सूत्रं यावत्) गतिविधिः- यणसन्धिविधायकसूत्रघटकपदानां वक्तित्वादिविचारः।		15
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :			

भाग: स – अनुशसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. लघुशब्देन्दुशेखरः आचार्यविश्वनाथमिश्रः चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी ।
2. लघुशब्देन्दुशेखरः गुरुप्रसादशास्त्री टीकापञ्चकोपेतः चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम् वाराणसी
3. लघुशब्देन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – डा. बालशास्त्री, वाणीविलासप्रकाशनं, के.८/५, बीबी हटिया, वाराणसी – २२१ ००१

Reference Books

- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी – २२१ ००१
- महाभाष्यम् – पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता – श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः – श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली – ११० ००७१

ख. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 0071

ग. अनुशसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंग

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशसितमूल्यांकनविधयः

अनुशसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः

अधिकतमाङ्काः : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60

टिप्पणी :

सहस्रः
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
'म.पा.सं.एवं वै.वि.बि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य:(स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध: प्रथमः	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY12	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	महाभाष्यम् 4-5 आह्निकम्	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1. भाष्यकारोक्तपाणिनिसूत्रविषये तात्पर्यज्ञानम्।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताह – होरात्रयम्) : L-T-P

एककः	विषयः	व्याख्यानानां संख्या
1	न धातुलोप आर्धधातुके इति सूत्रतः हलोनन्तराः संयोग इति सूत्रं यावत्। 'न धातुलोप आर्धधातुके' इति सूत्रे परिगणनप्रत्याख्यानम्, दलसार्थक्यम्, विशेष्यविशेषणभावः, 'किङिति च' इति सूत्रे तन्निमित्तग्रहणनिषेधः, 'दीधीवेवीटाम्' इति सूत्रस्य प्रत्याख्यानम्, संयोगसंज्ञा द्वयोर्वा बहूनां वा? अनुनासिकसंज्ञासूत्रे भूमिवासिप्रासादवास्तुभय-वासिन्यायानां प्रस्तावात् मुखनासिकयोरन्यतरस्य प्रत्याख्यानम् इत्यादयः विचाराः प्रतिपादिताः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
2	तुल्यास्यप्रयत्नमिति सूत्रतः चतुर्थमाह्निकम् यावत्। सर्वणसंज्ञासूत्रे 'तुल्यास्यप्रयत्नम्' इत्यत्र विग्रहनिर्णयः, 'नाज्जलौ' इति सूत्रे वाक्यापरिसमाप्तिन्यायः इत्येवमादयो विचाराः प्रतिपादिताः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम्।	15
3	पञ्चमाह्निक ईदूदेतद्द्विवचनमिति सूत्रम् यावत्। ईदूदेतसूत्रे तपरकरणप्रयोजनम्, विशेष्यविशेषणभावः इत्येवमादयो विचारा अत्रोपस्थापिताः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
4	अदसो मात् इति सूत्रम्। मात्रग्रहसंज्ञायाम् असिद्धत्वे अयादिवारणम् इत्येवमादयो विचारा अत्रोपस्थापिताः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
5	निपात एकाजनाङ् इति सूत्रतः पञ्चमाह्निकं यावत्। 'ओत्' इत्यत्र गौणमुख्यन्यायः, सप्तम्याम् अर्थग्रहणप्रयोजनम्, घुसंज्ञायां प्रकृतिग्रहणं कर्तव्यमाहोस्वित् न?, लोकविज्ञानात् आद्यन्तवद्वचनस्य व्यपदेशिवद्वचनस्य च प्रत्याख्यानम्, भाष्यकृन्मते प्रयोजनानि, उभयगतिरिह भवति,	15

50/2/2
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
(मु.प्र.)

	डतिग्रहणप्रत्याख्यानम्, निष्ठासंज्ञायां समानशब्दप्रतिषेधस्य प्रतिषेध इत्येवमादयो विचारा अत्र विहिताः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम्।	
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :		
भागः स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि		
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि		
क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-		
1. महाभाष्यम् भार्गवशास्त्री चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, नई दिल्ली 2. व्याकरणमहाभाष्य जयशङ्करलाल त्रिपाठी चौखम्बा कृष्णदास अकादमी 3. व्याकरणमहाभाष्य आचार्य मधुसूदनप्रसादमिश्र चौखम्बाविद्याभवन वाराणसी 4. व्याकरणमहाभाष्य के.वी. अभ्यङ्कर भण्टारकर आरिएण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट पुणे 5. व्याकरणमहाभाष्य हिन्दी टीकासंवलित हरिनारायणतिवारी चौखम्बासुरभारती वाराणसी, उ.प्र.		
Reference Books		
• अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011 • परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी – २२१ ००१ • महाभाष्यम् - पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता - श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः - श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली – ११० ००७।		
क. • वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतीलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 007।		
ख. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंग		
1. http://vedicheritage.gov.in		
अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-		
1. Sanskrit.inira.fr/ 2. Learnsanskrit.cc/index 3. Swayam.gov.in		
भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः		
अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः		
अधिकतमांकः 100		
सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकः 60
टिप्पणी :		

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्यः(स्नातकोत्तरः)	सत्रार्द्ध: प्रथमः	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY13	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	व्युत्पत्तिवादः (प्रथमाविभक्तिः)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (तृतीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1.भेदान्वयस्य अभेदान्वयविचारस्य ज्ञानम् । 2.‘वेदाः प्रमाणम्’ इति प्रयोगस्य साधुता । 3.‘शतं ब्राह्मणाः’ इत्यादि प्रयोगाणां साधुत्वज्ञानम्भविष्यति ।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P

एककः	विषयः	व्याख्यानानां संख्या
1	आदितः अभेदस्वरूपं यावत्। गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, पुनःपुनरभ्यासेन बुद्धौ संस्थाप्य कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
2	क्रियाविशेषाणाम् इत्यतःघटो घटः इति विवादं यावत्। गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, पुनःपुनरभ्यासेन बुद्धौ संस्थाप्य कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
3	अभेदान्वयविचारः (पृ.40)इत्यतः(पृ.40) राजा पुरुषः(72) इति पङ्क्तिं यावत्। गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, पुनःपुनरभ्यासेन बुद्धौ संस्थाप्य कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
4	तण्डुलं पचति (पृ.72) इत्यतः लुप्तविभक्तिरिति पङ्क्तिः(पृ.101) यावत्। गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, पुनःपुनरभ्यासेन बुद्धौ संस्थाप्य कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
5	चैत्रो जानाति (पृ.101) इत्यतः न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काःवाचकविचारः (पृ.158) । गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, पुनःपुनरभ्यासेन बुद्धौ संस्थाप्य कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15

सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

समस्तः
अध्यक्षः
व्याकरण विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- - व्युत्पत्तिवादः प्रो. सच्चिदानन्दमिश्रः चौखम्बासुरभारती प्रकाशन - व्युत्पत्तिवादः आदर्शटीकासंवलितः वाणीविलासप्रकाशन, वाराणसी उ.प्र. - व्युत्पत्तिवादः हरिनारायणतिवारी हिन्दीटीका प्राप्तिस्थानम् चौखम्बासुरभारती, वाराणसी, उ.प्र. Reference Books - अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादन - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011 - परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी - २२१ ००१ - महाभाष्यम् - पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता - श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः - श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशन, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली - ११० ००७१ क. • वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 0071 ख. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंग http://vedicheritage.gov.in		
अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः- - Sanskrit.inira.fr/ - Learnsanskrit.cc/index - Swayam.gov.in		
भागः द - अनुशंसितमूल्यांकनविधयः		
अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः अधिकतमांकः 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		

— ज्ञानलक्ष्मी —
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचय:

कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य:(स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध: प्रथम:	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY 14	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	वैयाकरणभूषणसारः	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धि: (CLO)	धात्वर्थ-लकारार्थ-सुबर्थप्रकरणानाम् अध्ययनेन छात्राः धात्वर्थविषये नैयायिकमीमांसकादीनां मतानि ज्ञात्वा तद्विषये वैयाकरणानां कः सिद्धान्तः इति ज्ञातुं शक्ता भविष्यन्ति। मुख्यतया वादग्रन्थाध्ययने अवगमने च तेषां योग्यताऽभिवर्धते। शास्त्रान्तरवादग्रन्थानपि ते अधिगन्तुं प्रभविष्यन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P

एककः	विषयः	व्याख्यानानां संख्या
1	आदितः सर्वमानमा ...इति 10 कारिकां यावत् वैयाकरणमते धात्वर्थः क इति परिचयेन सह पारिभाषिकफलव्यापारयोर्लक्षणज्ञानसम्पादनम्, आख्यातार्थः कः इति ज्ञानेन सह क्व फले आश्रयान्वयः क्व च व्यापारे तथा मीमांसकनैयायिकमतखण्डनपुरस्सरं धातोर्व्यापारवाचित्वसंस्थापनम् इत्यादिविषयकज्ञानसम्पादनम्। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
2	धात्वर्थं क्रियात्वम्...इत्यादि 11 कारिकातः भेद्यभेदकसम्बन्धः...इत्यादि 21 कारिकां यावत् – व्यापारस्य धात्वर्थत्वे प्रमाणान्तराणां ज्ञानम्। व्यापारस्य धातुवाच्यत्वसाधकप्रमाणज्ञानेन सह कारकाणां व्यापारे (भावनायां) एव अन्वये प्रमाणोपन्यासज्ञानसम्पादनम्, कारकाणां क्रियानन्वयस्वीकारः दोषयुक्तः तेन कर्त्रादौ विहितानामिन्यादीनामपि क्रिययैवान्वय इति प्रतिपादनेन प्रकरणान्ते धातोरेव भावना वाच्या नाख्यातप्रत्ययेन इति ज्ञानम्। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
3	लकारार्थनिरूपणम् वैयाकरणमते लकाराणां कः अर्थः? इत्यादि प्रत्येकं लकारस्य अर्थविशेषस्य मतमतान्तरनिरूपणपुरःसरं विस्तरेण परिचयः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
4	सुबर्थनिरूपणम् सप्तविभक्तीनां विशिष्य के के अर्थाः इति प्रत्येकं विभक्तेः अर्थनिरूपणेन नैयायिकादीनां मतानि संदूष्य वैयाकरणसिद्धान्तस्य परिचयः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15

सत्यम् ?
व्याकरण विभाग
'म.पा.सं. एवं वै.वि. वि.
उज्जैन (म.प्र.)

5	सुबर्थनिरूपणम् सप्तविभक्तीनां विशिष्य के के अर्थाः इति प्रत्येकं विभक्तेः अर्थनिरूपणेन नैयायिकादीनां मतानि संदूष्य वैयाकरणसिद्धान्तस्य परिचयः। गतिविधिः- संस्कृते पूर्वपक्षोत्तरपक्षसहितम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :		
भागः स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि		
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि		
क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- - वैयाकरणभूषणसार चन्द्रकाप्रसादद्विवेदी चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठान वाराणसी - वैयाकरणभूषणसार पं नन्दकिशोर शास्त्री चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी - वैयाकरणभूषणसारः (पेरि सूर्यनारायणशास्त्रिविरचिततत्त्वदर्शिनीव्याख्यासहितः) – सम्पादकः – डॉ. कोम्पेल्ल सत्यनारायणशास्त्री, प्रकाशकः – श्रीवेङ्कटेश्वरवेदविश्वविद्यालयः, तिरुपति: - वैयाकरणभूषणसारः – प्रभादर्पणव्याख्यायुतः, चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, वाराणसी - वैयाकरणभूषणसारः – शाङ्करीव्याख्यायुतः, आनन्दाश्रममुद्रणालयः, पुणे - वैयाकरणभूषणसारः – दर्पणसंस्कृतव्याख्या तथा सुबोधिनीहिन्दीव्याख्यायुतः, चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, वाराणसी/चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी. - व्याकरणसिद्धान्तकल्पतरुः, डॉ. पङ्कजकुमारव्यासः, कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयः, रामटेक Reference Books - अष्टाध्यायी – पाणिनिविरचिता, सम्पादनं – श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011 - परिभाषेन्दुशेखरः – महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी – २२१ ००१ - महाभाष्यम् – पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता – श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः – श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली – ११० ००७१ ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिक http://vedicheritage.gov.in		
अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-		
- Sanskrit.inira.fr/ - Learnsanskrit.cc/index - Swayam.gov.in		
भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः		
अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः अधिकतमांकः : 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		

— सारलः ? —
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य:(स्नातकोत्तर:)	सत्रार्ह: द्वितीय:	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY 21	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	लघुशब्देन्दुशेखरः	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वपेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	सन्धिविज्ञानस्य परिज्ञानसम्भाविता।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताह – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	अच्सन्धिप्रकरणम् (अदर्शनं लोपः इति सूत्राद् अच्सन्धिं यावत्) (अदर्शनं लोपः, अचो रहाभ्यां द्वे, तस्य लोपः, वान्तो यि प्रत्यये, लोपः शाकल्यस्य, एकः पूर्वपरयोः, उण्-रपरः, अन्तादिवच्च, खरवसानयोर्विसर्जनीयः अचोऽन्त्यादि टि, ओमाडोश्च, ऋति सवर्णे ऋ वा, अवङ् स्फोटायनस्य) – स्वरसन्धिप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानम्, अन्तादिवद्भावः पूर्वादिवद्भावः इत्यादीनां विषयाणाम् अवगमनम्। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
2	अच्सन्धिप्रकरणम् (अचोऽन्त्यादि टि, ओमाडोश्च, ऋति सवर्णे ऋ वा, अवङ् स्फोटायनस्य) – स्वरसन्धिप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानम्। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
3	प्रकृतिभावः। (प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्, प्रत्यभिवादेऽशूद्रे, हैहेप्रयोगे हैहयोः, निपात एकाजनाङ्, सम्बुद्धौ शाकल्यस्येतावनार्षे, ईदूतौ च सप्तम्यर्थे) प्रकृतिभावप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानम्। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
4	हल्सन्धिप्रकरणं, विसर्गसन्धिप्रकरणं च (स्तोः श्रुना श्रुः, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, मोऽनुस्वारः, यथासङ्ख्यमनुदेशः समानाम्, डमो ह्रस्वादचि डमुणित्यम्, संपुंकानां सो वक्तव्यः, कुप्चो क पौ च, दीर्घस्यायं तुक्) हल्सन्धिप्रकरणस्थानां विसर्गसन्धिप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानम्। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15

5	स्वादिसन्धिप्रकरणम् (ससजुषो रुः, प्रथमयोः पूर्वसवर्णः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, भोभगोअघोअपूर्वस्य योऽशि, व्योर्लघुप्रयत्नतरः शाकटायनस्य, हलि सर्वेषाम्, द्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्, एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि) स्वादिसन्धिप्रकरणस्थानां सूत्राणाम् आशयस्य परिज्ञानम्। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
---	---	----

सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :

भागः स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. लघुशब्देन्दुशेखरः आचार्यविश्वनाथमिश्रः चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी ।
5. लघुशब्देन्दुशेखरः गुरुप्रसादशास्त्री टीकापञ्चकोपेतः चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम् वाराणसी
6. लघुशब्देन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – डा. बालशास्त्री, वाणीविलासप्रकाशनं, के.८/५, बीबी हटिया, वाराणसी – २२१ ००१

Reference Books

- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी – २२१ ००१
- महाभाष्यम् – पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता – श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः – श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली – ११० ००७।

क. • वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतीलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 007।

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंग

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः

अधिकतमांकः : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकः 60

टिप्पणी :

अध्यक्षः
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
राज्यीय (स.प्र.)

भाग: अ – परिचय:

कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य:(स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध: द्वितीय:	सत्रम् : 2025-26
विषय :- नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY 22	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	महाभाष्यम्(6-7आह्निकम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1 भाष्यसम्मतम्पाणिनिसूत्राणां विशदं ज्ञानम्। सूत्रार्थे भाष्यकारस्याभिप्रायः।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P

एककः	विषयः	व्याख्यानानां संख्या
1	षष्ठाह्निकस्य 'सर्वादीनि सर्वनामानि' इत्येतत्सूत्रभाष्यमारभ्य 'अन्तरं बहिर्योगोपसंव्यानयोः' इत्येतत्सूत्रभाष्यस्य समाप्तिपर्यन्तो भागः। – बाधकान्येव निपातनानि, संज्ञोपसर्जनप्रतिषेधस्य प्रतिषेधः, सर्वादिगणे उभशब्दपाठस्य वैयर्थ्यम्, 'विभाषा दिक्समासे बहुव्रीहौ' इत्यत्र बहुव्रीहिरुपग्रहणप्रयोजनम्, भाष्यकृन्मते 'न बहुव्रीहौ' इति सूत्रस्य प्रत्याख्यानम् इत्येवमादयो विषया अत्र विचारिताः। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम्।	15
2	'स्वरादिनिपातमव्ययम्' इत्येतत्सूत्रभाष्यमारभ्य षष्ठाह्निकस्य समाप्तिपर्यन्तो भागः। संज्ञाद्वयविधाने प्रयोजनम्, अन्वर्थसंज्ञाश्रयणेन अलिङ्गमसङ्ख्यमिति वा इति वचनस्य वैयर्थ्यम्, 'गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम्।	15
3	कृन्मेजन्तः इति सूत्रतः षष्ठाह्निकं यावत् - कृन्मेजन्तः' इत्यत्र विशेष्यविशेषणभावः, प्राप्तविभाषा, अप्राप्तविभाषा, उभयत्रविभाषा इत्येवमादीनां विषयाणां विचारणा अत्र विहिता। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम्।	15
4	4 इग्यणः सम्प्रसारणमित्यारभ्य उरण् रपरः इति पर्यन्तम् इग्यणः इत्यादीनां सूत्राणां विचारः। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम्।	15
5	सप्तमाह्निकम् - अलोऽन्त्यस्य इति सूत्राद् सप्तमाह्निकान्तं यावत् - अलोऽन्त्यस्येत्यादिसूत्राणामर्थविचारः।	15

गतिविधि:- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :		
भागः स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि		
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि		
क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- 1. शतपथब्राह्मणम्, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी 2. निरुक्तम्, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिनक 1. http://vedicheritage.gov.in		
अनुशंसित-समकक्ष:- ऑनलाईनपाठ्यक्रम:- 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. Learnsanskrit.cc/index 3. Swayam.gov.in		
भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः		
अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः अधिकतमांकः : 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		

ज्ञातः

व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:		कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्ह: द्वितीय: सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY23	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	व्युत्पत्तिवादः(प्राद्युपसर्गविचारतः आख्यातार्थस्य संख्यातार्थविचारः) स्त्रीप्रत्ययः (लघुशब्देन्दुशेखरः)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (तृतीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	प्राद्युपसर्गविचारतः प्रथमाकारकं यावत् परिज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	प्राद्युपसर्गविचारतः (पृ.136) पदार्थान्वयविचारं (158) यावत्। गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कण्ठस्थीकरणं, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
2	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः न्वयविचारतः (पृ.171) नित्यबहुवचनान्तशब्दविचारं (177) यावत्। गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कण्ठस्थीकरणं, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
3	आख्यातार्थस्य न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः र्थताविचारः(पृ.137) गतिविधयः न्यायशैल्या उपर्युक्तविषयस्य लेखनम्, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
4	लघुशब्देन्दुशेखरः – आदितः वर्णादिनुदात्तात्तोपधातो नः इति सूत्रं यावद्। गतिविधयः उपरिप्रदत्तविषयस्य संस्कृते शुद्धलेखनम्, कण्ठस्थीकरणं, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
5	लघुशब्देन्दुशेखरः –अन्यतो ङीष् इति सूत्रात् प्रकरणान्तं यावत्। गतिविधयः उपरिप्रदत्तविषयस्य शुद्धलेखनं, कण्ठस्थीकरणं, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :			
भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि			
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि			

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- 1. व्युत्पत्तिवादः, प्रो. सच्चिदानन्दमिश्रः चौखम्बासुरभारती प्रकाशन 2. व्युत्पत्तिवादः, आदर्शटीकासंवलितः वाणीविलासप्रकाशन, वाराणसी उ.प्र. 3. व्युत्पत्तिवादः, हरिनारायणतिवारी हिन्दीटीका प्राप्तिस्थानम् चौखम्बासुरभारती, वाराणसी, उ.प्र. क. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिनक 1. http://vedicheritage.gov.in		
अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः- 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. Learnsanskrit.cc/index 3. Swayam.gov.in		
भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः		
अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः अधिकतमांकः : 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		

सहस्रीः
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : एकवर्षीयपत्रोपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य:(स्नातकोत्तर:)	सत्रार्ह: द्वितीय:	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY24	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	वैयाकरणभूषणसारः(समासशक्तिप्रकरणाद् स्फोटनिर्णयं यावत्)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1. व्याकरणशास्त्रीयस्फोटवादाद्यवबोधः भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P

एककः	विषयः	व्याख्यानानां संख्या
1	नामार्थः, समासशक्तिः शक्तिनिर्णयम् स्वार्थ-द्रव्य-लिङ्गादिपञ्चकप्रातिपदिकार्थस्य प्रत्येकम् सार्थः परिचयः। समासविभागः, समासलक्षणानि तथा जहत्स्वार्थादिवृत्तिभेदेन एकार्थीभावव्यपेक्षाभावनिरूपणम्। शाब्दिकनये एकार्थीभावस्वीकारे प्रमाणोपन्यासेन समासे विशिष्टशक्तिपक्षप्रतिपादनम्, व्यपेक्षावादिनां मते दूषणप्रदर्शनम्। तथा च शक्तिविषये भिन्नानां मतं प्रतिपादितम्। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
2	नञर्थनिर्णयः, निपातार्थनिर्णयश्च, अत्र नञादीनां निपातार्थानाञ्च वर्णनं प्राप्यते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
3	त्वादिभावप्रत्ययार्थनिर्णयः, देवताप्रत्ययार्थनिर्णयः अभेदैकत्वन्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः निर्णयश्च त्वादिभावप्रत्ययार्थनिर्णयः, देवताप्रत्ययार्थनिर्णयः अभेदैकत्वन्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः निर्णयः इत्यादीनां विचारः प्राप्यते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
4	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः विवक्षानिर्णयः क्त्वाद्यर्थनिर्णयश्च। न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः विवक्षानिर्णयः क्त्वाद्यर्थनिर्णयः इत्यादीनां विचारः प्राप्यते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
5	स्फोटस्यावतरणिका स्फोटनिर्णयश्च । स्फोटः, स्फोटभेदाः, पदस्फोटः वर्णस्फोटः, अखण्डपदवाक्यस्फोटाः जातिस्फोटस्यैव मुख्यता इत्यादीनां विचरणा विहिता।	15

अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
राज्य (म.प्र.)

गतिविधि:- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) : उपनिषद्, ईशोपनिषद्, कठोपनिषद्		
भाग: स – अनुशासिताध्ययनसंसाधनानि		
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि		
क. अनुशासितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- - वैयाकरणभूषणसार चन्द्रकाप्रसादद्विवेदी चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठान वाराणसी - वैयाकरणभूषणसारः पं नन्दकिशोर शास्त्री चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी - वैयाकरणभूषणसारः श्री बालकृष्णपञ्चोली चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी - वैयाकरणभूषणसारः (पेरि सूर्यनारायणशास्त्रिविरचिततत्त्वदर्शिनीव्याख्यासहितः) – सम्पादकः – डॉ. कोम्पेल्ल सत्यनारायणशास्त्री, प्रकाशकः – श्रीवेङ्कटेश्वरवेदविश्वविद्यालयः, तिरुपति: - वैयाकरणभूषणसारः – प्रभादर्पणव्याख्यायुतः, चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, वाराणसी - वैयाकरणभूषणसारः – शाङ्करीव्याख्यायुतः, आनन्दाश्रममुद्रणालयः, पुणे - वैयाकरणभूषणसारः – दर्पणसंस्कृतव्याख्या तथा सुबोधिनीहिन्दीव्याख्यायुतः, चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, वाराणसी/चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी वैयाकरणसिद्धान्तकल्पतरुः, डॉ. पङ्कजकुमारव्यासः, कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयः, रामटेक् Reference Books - अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011 क. परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – सदाशिवशास्त्री अनुशासितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिक http://vedicheritage.gov.in		
अनुशासित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-		
- Sanskrit.inira.fr/ - Learnsanskrit.cc/index - Swayam.gov.in		
भाग: द – अनुशासितमूल्यांकनविधयः		
अनुशासितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः अधिकतमांकः : 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		

— डा.पत्नी :
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि:		कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध: तृतीय:
सत्रम् : 2025-26			
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT- WVS VVNYSI	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	वाक्यपदीयम्	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	शब्दब्रह्मणः शक्तिपरिज्ञानम्	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	प्रथमकारिकातः पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्। गतिविधि:- शुद्धकण्ठस्थीकरणार्थं प्रेरणं, तदनु कारिकाणां श्रवणम्, उपर्युक्तकारिकासु प्रतिपाद्यविषयस्य छात्रैः लेखनकार्यं कारयेत्।		15
2	षोडशकारिकायाः त्रिंशत्कारिकापर्यन्तम्। गतिविधि:- शुद्धकण्ठस्थीकरणार्थं प्रेरणं, तदनु कारिकाणां श्रवणम्, उपर्युक्तकारिकासु प्रतिपाद्यविषयस्य छात्रैः मिथः विचारः कारयेत्।		15
3	एकत्रिंशत्कारिकायाः पञ्चचत्वारिंशत्कारिकां यावत्। गतिविधि:- शुद्धकण्ठस्थीकरणार्थं प्रेरणं, तदनु कारिकाणां श्रवणम्, उपर्युक्तकारिकासु प्रतिपाद्यविषयस्य छात्रैः लेखनकार्यं कारयेत्।		15
4	षट्चत्वारिंशत्कारिकायाः षष्टिकारिकां यावत्। गतिविधि:- शुद्धकण्ठस्थीकरणार्थं प्रेरणं, तदनु कारिकाणां श्रवणम्, उपर्युक्तकारिकासु प्रतिपाद्यविषयस्य छात्रैः लेखनकार्यं कारयेत्।		15
5	एकषष्टिकारिकायाः द्विसप्ततिकारिकां यावत्। गतिविधि:- शुद्धकण्ठस्थीकरणार्थं प्रेरणं, तदनु कारिकाणां श्रवणम्, उपर्युक्तकारिकासु प्रतिपाद्यविषयस्य छात्रैः वाक्यार्थं कारयेत्।		15
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) : ब्रह्मस्वरूपं, कालशक्तिः,			

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. वाक्यपदीयम्, सूर्यनारायण शुक्ल चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी
2. वाक्यपदीयम् (अम्बाकर्त्री) श्री पद्मश्री पण्डितरघुनाथशर्मा सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय वाराणसी
1. Reference Books
- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी - २२१ ००१
- महाभाष्यम् - पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता - श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः - श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली - ११० ००७।
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बड्गलो रोड, दिल्ली - 110 0071

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंग

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः

अधिकतमांकः 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकः 60

टिप्पणी :

उत्तरः
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै. वि. वि.
उज्जैन (म.प्र.)

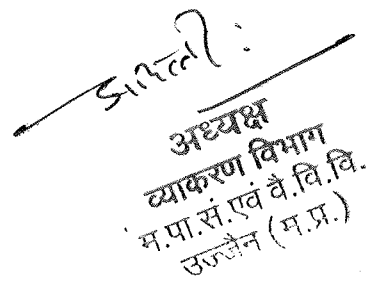
भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध: तृतीय:	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY32	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	महाभाष्यम् (8 आह्निकम्) वै.सि.ल.मञ्जूषा (शक्तिनिरूपणम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1.सप्तमाह्निकस्थसमग्रसूत्राणां पर्यवसानम् । 2.वृत्तिमादाय विचारः।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	स्थानिवदादेशोऽनलिवधौ । गतिविधयः- स्थानिवदादेशोऽनलिवधौ वत्करणं किमर्थम्? स्वरूपविधिर्नामा सामान्यातिदेशे हि विशेषानतिदेशः जात्याख्यायां बहुवचनातिदेशे स्थानिवद्भावप्रतिषेधः इति विचारणा विहिता। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
2	अचःपरस्मिन्पूर्वविधौ इत्यतः न पदान्तद्विर्वचन । अचः परस्मिन् पूर्वविधौ अचेति किमर्थम्? अथ परस्मिन्निति किमर्थम्? अथ पूर्वविधाविति किमर्थम्? कानि पुनः स्वविधौ स्थानिवद्भावस्य प्रयोजनानि? कानि पुनरस्य योगस्य प्रयोजनानि? इति विचारणा विहिता। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
3	द्विर्वचनेऽचि इत्यतः अष्टमाह्निकम् । न पदान्तद्विर्वचनवरेयलोपस्वरसवर्णानुस्वारदीर्घजश्चर्विधिषु, द्विर्वचनेऽचि इति सूत्रद्वयोः विचारो वर्तते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
4	सिद्धान्तलघुमञ्जूषा- आदितः आर्यम्लेच्छाधिकरणतात्पर्यनिरूपणं यावद् वैयाकरणमतेन शक्तिनिरूपणं, शक्तिविषये नैयायिकमीमांसकादि-मतान्तराशयावगमनं चा वैयाकरणमतेन शक्तिनिरूपणं, परादिवाङ्मनिरूपणम् इत्यादि । गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
5	सिद्धान्तलघुमञ्जूषा – आर्यम्लेच्छयोस्तुल्यत्वं शिष्टत्वम् इत्यतः शक्तिनिरूपणं यावद्		15

	वैयाकरणमतेन शक्तिनिरूपणम्, अपभ्रंशानां साधुत्वाभावः इत्यादीनां विषयाणामवगमनं च। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :		
भागः स – अनुशासिताध्ययनसंसाधनानि		
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि		
क. अनुशासितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- - महाभाष्यम् भार्गवशास्त्री चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, नई दिल्ली - व्याकरणमहाभाष्य जयशङ्करलाल त्रिपाठी चौखम्बा कृष्णदास अकादमी - व्याकरणमहाभाष्य आचार्य मधुसूदनप्रसादमिश्र चौखम्बाविद्याभवन वाराणसी - व्याकरणमहाभाष्य के.वी. अभ्यङ्कर भण्टारकर आरिएण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट पुणे - व्याकरणमहाभाष्य हिन्दी टीकासंवलित हरिनारायणतिवारी चौखम्बासुरभारती वाराणसी, उ.प्र. - वैयाकरणसिद्धान्तकल्पतरुः, डॉ. पङ्कजकुमारव्यासः, कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयः, रामटेक - Reference Books - अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011 - परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी — २२१ ००१ - महाभाष्यम् – पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता – श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः – श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली – ११० ००७। - वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 007। ख. अनुशासितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिक http://vedicheritage.gov.in		
अनुशासित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः- - Sanskrit.inira.fr/ - Learnsanskrit.cc/index - Swayam.gov.in		
भागः द – अनुशासितमूल्यांकनविधयः		
अनुशासितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वागव्यवहारविधिः अधिकतमांकः : 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि:		कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध:-तृतीयः
सत्रम् : 2025-26			
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY 33	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	सर्वदर्शनसङ्ग्रहः	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (तृतीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1.समग्रदर्शनसिद्धान्तस्य परिचयो भविष्यति। 2.आस्तिकनास्तिकदर्शनयोः प्रतिपाद्यपदार्थानां प्रमाणानामपि परिचयो भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	चार्वाकदर्शनम् बौद्धदर्शनम् च । गतिविधिः –अत्र चार्वाकाणां बौद्धानां च प्रमेयप्रमाणतत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते।		15
2	जैनदर्शनम् विशिष्टाद्वैतदर्शनम् च । गतिविधिः –अत्र जैनदर्शने रामानुजदर्शने च प्रतिपाद्य-प्रमेयप्रमाणप्रयोजनादि-विचारः वर्तते।		15
3	पूर्णप्रज्ञदर्शनम् गतिविधिः- अस्मिन् दर्शने प्रतिपाद्यप्रमेयप्रमाणदिविचारस्य अध्ययनम्।		15
4	नकुलीशपशुपतदर्शनम् तथा शैवदर्शनम् गतिविधिः – अत्र पाशुपतशैवदर्शनयोः प्रमेयप्रमाणतत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते।		15
5	प्रत्यभिज्ञादर्शनम् रशेश्वरदर्शनञ्च । गतिविधिः – अत्र प्रत्याभिज्ञारसेश्वरदर्शनोः प्रमेयप्रमाणतत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते।		15
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) : दार्शनिकसिद्धान्तानां परिज्ञानम्।			
भाग: स – अनुशासिताध्ययनसंसाधनानि			
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि			

स.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- सर्वदर्शनसङ्ग्रह माधवाचार्य -प्रो. उमाशङ्कर ऋषि शर्मा -चौखम्बाविद्याभवन वाराणसी, उ.प्र. 2. सर्वदर्शनसङ्ग्रह माधवाचार्य -डॉ माधव जनार्दन रटाटे द भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी Reference Books - अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादन - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011 - परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्भासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल् मन्दिर लेन्, वाराणसी - २२१ ००१ - महाभाष्यम् - पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता - श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः - श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशन, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली - ११० ००७। - वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 007।		
ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिनक 1. http://vedicheritage.gov.in		
अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः- 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. Learnsanskrit.cc/index 3. Swayam.gov.in		
भागः द - अनुशंसितमूल्यांकनविधयः		
अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः अधिकतमांकः : 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60		
आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		


अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि:		कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध: तृतीय:
सत्रम् : 2025-26			
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY34	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वपेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	निबन्धरचनायाः परिज्ञानं भविष्यति। लेखनसमयेनिबन्धगतसन्धिसमासादिज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	व्याकरणशास्त्रस्य प्रारम्भः विकासश्च । गतिविधिः – व्याकरणस्य लक्षणम्, व्याकरणशास्त्रस्य वेदमूलकत्वम्, नव- व्याकरणानि इत्यादीनां विचरणा वर्तते।		15
2	पाणिनिपरवर्ति षोडशाचार्याणां वृत्तम् । गतिविधिः – स्फोटायनः, सेनकः, शाकल्यः, शाकटायन, चाक्रवर्मणः, भारद्वाजः, गालवः , गार्ग्यः, काश्यपः , आपिशलिः।		15
3	अष्टाध्यायीवृत्तिकाराणां परिचयः। गतिविधिः –पतञ्जलेः, काशिकाकारादीनां वर्णनम्।		15
4	महाभाष्यकारपतञ्जलिपरिचयः भाष्यव्याख्याकाराणाम्परिचयश्च । गतिविधिः –कैयटः, अन्नम्भट्टः, नागेशः, वैद्यनाथपायगुण्डः, नारयणीकारः इत्यादीनां विचरणा वर्तते।		15
5	भर्तृहरिवाक्यपदीयपरिचयः। गतिविधिः – भर्तृहरेः देशकालकृत्यादीनां , वाक्यपदीयग्रन्थस्य तट्टीकादीनाञ्च विचारः वर्तते,प्रश्नोत्तरी।		15
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :			
भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि			
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि			

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. संस्कृतसाहित्येतिहासः आचार्यलोकमणिदहालः चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, उ.प्र.
2. व्याकरण शास्त्र का इतिहास श्री युधिष्ठिर मीमांसक बहालगाड, सोनीपत, हरियाणा
3. काशी की पाण्डित्य परम्परा आ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रो.अशोक चन्द्र गौड चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

Reference Books

- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 001।
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के. ३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी - २२१ ००१
- महाभाष्यम् - पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता - श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः - श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली - ११० ००७।
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 007।

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भागः द - अनुशंसितमूल्यांकनविधयः

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वागव्यवहारविधिः

अधिकतमांकः : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60
टिप्पणी :		

सहस्रीः
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
'म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि:		कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध: चतुर्थः
सत्रम् : 2025-26			
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY41	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	वाक्यपदीयम् (त्रिसप्ततिकारिकातः ब्रह्मकाण्डान्तं यावत्)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1.शब्दशक्तिपरिज्ञानं भविष्यति। 2.त्रिविधवाचः सम्यग् ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	द्विसप्ततिकारिकातः पञ्चाशीतिकारिकापर्यन्तम्। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
2	षडशीतिकारिकातः शतकारिकापर्यन्तम् गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
3	एकशतकारिकातः पञ्चविंशत्यधिकशतङ्कारिकापर्यन्तम्। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
4	षड्विंशत्यधिकशतङ्कारिकातः चत्वारिंशदधिकशतङ्कारिकापर्यन्तम्। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
5	एकचत्वारिंशदधिककारिकातः समग्रकारिकाः। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :			
भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि			
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि			

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. वाक्यपदीयम्, सूर्यनारायण शुक्ल चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी
2. वाक्यपदीयम् (अम्बाकत्री) श्री पद्मश्री पण्डितरघुनाथशर्मा सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय वाराणसी

Reference Books

- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के. ३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी - २२१ ००१
- महाभाष्यम् - पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता - श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः - श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली - ११० ००७1
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 0071

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिनक

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भागः द - अनुशंसितमूल्यांकनविधयः

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः

अधिकतमांकः : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60

टिप्पणी :

सहस्रीः
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्थ: चतुर्थ:	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY42	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	महाभाष्यम् (9 आह्निकम्) वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषायाः लक्षणा व्यञ्चना च	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वपिक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1. पाणिनिसूत्राणां सन्देहनिरसनपुरस्सरतात्पर्यज्ञानं भविष्यति। 2. वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषादिशा व्याकरणशास्त्रे पद-वाक्यादिषु शक्तिः इत्याख्या वृत्तिः कथं भवति, शाब्दबोधप्रकारः कः इति विषये छात्रः सम्यक् अवगतवान् भवति । अनेन सह इतरशास्त्रदृष्ट्या शक्त्यादिव्यापाराणामपि ज्ञानं प्राप्यते।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P

एककः	विषयः	व्याख्यानानां संख्या
1	अदर्शनम् लोपः इत्यतः अलोन्त्यात्पूर्व उपधा । अदर्शनं लोपः अर्थस्य सञ्ज्ञा कर्तव्या। शब्दस्य वा इति विचारः, प्रत्ययस्य लुक् श्रुलुपः प्रत्ययग्रहणं किमर्थम् ? प्रत्ययलोपे प्रत्ययलक्षणम् प्रत्ययग्रहणं किमर्थम् ? लुक्श्रुत्यन्यतमोत्तीर्णाङ्काः न कर्तव्यम्, न लुमताङ्गस्य लुमिति प्रतिषेधे एकपदस्वरस्योपसंख्यानम्। अलोऽन्यात् पूर्व उपधा किमिदमलग्रहणमन्त्यविशेषणम्। कान्येतस्याः परिभाषायाः प्रयोजनानि ? इति विचारः विहितः। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
2	तस्मिन्नितिनिर्दिष्टपूर्वस्य इत्यतः अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः इति सूत्रं पर्यन्तम् तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य तस्मादित्युत्तरस्य किमुदाहरणम् ? अथ निर्दिष्टग्रहणं किमर्थम् ? तस्मादित्युत्तरस्य किमुदाहरणम् ? अथ निर्दिष्टग्रहणं किमर्थम् ? स्वं रूपं शब्दस्याशब्दसञ्ज्ञा रूपग्रहणं किमर्थम् ? अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः अप्रत्ययः इति किमर्थम् ? आकृतिग्रहणात् इत्यादीनां विचारः कृतः। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
3	तपरस्तत्कालस्य इति सूत्राद् आह्निकान्तं यावत् – तपरस्तत्कालस्य कथं निर्देशः कर्तव्यः? आदिरन्त्येन सहेता, येन विधिस्तदन्तस्य वृद्धिर्यस्याचामादिस्तद् वृद्धम् त्यदादीनि च एङ् प्राचां देशे इत्यादीनां विचारः वर्तते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
4	वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा- लक्षणानिरूपणम् – वैयाकरणमतेन लक्षणानिरूपणं, लक्षणाविषये मीमांसकादि-मतान्तराशयावगमनं च।	15

आर्यः
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधि:- लक्षणायाः उदाहरणं “ गङ्गायां घोषः” इत्यस्य समन्वयः, अभ्यासः. तत्खण्डनमण्डनञ्च ।	
5	वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा- व्यञ्जनानिरूपणम् वैयाकरणमतेन व्यञ्जनानिरूपणम् गतिविधि:- व्यञ्जनायाः उदाहरणं “शतोऽस्तमर्कः” इत्यस्य समन्वयः, अभ्यासः. तत्खण्डनमण्डनञ्च ।	15

सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :

भागः स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. व्याकरणमहाभाष्य जयशङ्करलाल त्रिपाठी चौखम्बा कृष्णदास अकादमी
2. वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचिता, सम्पादकः – सभापति-शर्मोपाध्यायः, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी – २२१ ००१
3. व्याकरणमहाभाष्य आचार्य मधुसूदनप्रसादमिश्र चौखम्बाविद्याभवन वाराणसी
4. व्याकरणमहाभाष्य के.वी. अभ्यङ्कर भण्टारकर आरिण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट पुणे
5. हरिनारायणतिवारी चौखम्बासुरभारती वाराणसी, उ.प्र.
6. वैयाकरणसिद्धान्तकल्पतरुः, डॉ. पङ्कजकुमारव्यासः, कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयः, रामटेक

Reference Books

- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादन - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी – २२१ ००१
- महाभाष्यम् – पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता – श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः – श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली – ११० ००७
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 0071

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिनक

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः

अधिकतमांकः : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60

टिप्पणी :

भाग: अ – परिचयः

कार्यक्रम : उपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्थ: चतुर्थ:	सत्रम् : 2025-26
विषय : नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY43	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	सर्वदर्शनसङ्ग्रहः (वैशेषिकदर्शनम् इत्यारभ्य शाङ्करदर्शनं यावत्)	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (तृतीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	- सप्तपदार्थानां एवं षोडशपदार्थानां सम्यक् ज्ञानं । - साङ्ख्ययोगदर्शनयोः जैमिनीयशाङ्करदर्शनयोश्च सिद्धान्तस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P

एककः	विषयः	व्याख्यानानां संख्या
1	वैशेषिकदर्शनम् न्यायदर्शनञ्च । अत्र न्यायवैशेषिकदर्शनयोः प्रमेयप्रमाणतत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तदार्शनिकविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
2	जैमिनीयदर्शनम्, व्याकरणदर्शनम् । अत्र जैमिनीयव्याकरणदर्शनयोः प्रमेयप्रमाणतत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तदार्शनिकविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
3	साङ्ख्यदर्शनम् । अत्र सांख्यदर्शने प्रमेयप्रमाण-पञ्चविंशतितत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तदार्शनिकविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15
4	योगदर्शनम् । अत्र योगदर्शने प्रमेयप्रमाण-षट्विंशतितत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तदार्शनिकविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15

5	शाङ्करदर्शनम् अत्र शाङ्करदर्शनं प्रमेयप्रमाणतत्त्वाणाञ्च विचारः वर्तते। गतिविधिः- संस्कृते शङ्कासमाधानपूर्वकम् उपर्युक्तदार्शनिकविषयस्य लेखनस्य अभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम्।	15
---	--	----

सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :

भागः स – अनुशासिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशासितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. माधवाचार्य – सर्वदर्शनसङ्ग्रह प्रो. उमाशङ्कर ऋषि शर्मा -चौखम्बाविद्याभवन वाराणसी, उ.प्र.
2. माधवाचार्य – सर्वदर्शनसङ्ग्रह डां माधव जनार्दन रटाटे द भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी

Reference Books

- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः – सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन्, वाराणसी – २२१ ००१
- महाभाष्यम् – पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता – श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः – श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली – ११० ००७1
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षितप्रणीता (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनीसहिता), सम्पादकः - म.म.पं.गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः, म.म.पं.परमेश्वरानन्दशर्मा विद्याभास्करः, मोतिलाल बनारसीदास, बङ्गलो रोड, दिल्ली - 110 0071

ख. अनुशासितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंग

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशासित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भागः द – अनुशासितमूल्यांकनविधयः

अनुशासितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः

अधिकतमांकः 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60

टिप्पणी :

— डा. इ. ल. :
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग: अ – परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि:	कक्षा : द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)	सत्रार्द्ध:- चतुर्थ:	सत्रम् : 2025-26
विषयः नव्यव्याकरणम्			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-VVNY44	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	व्याकरणशास्त्रीयनिबन्धः	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वपिक्षा (Pre-requisite)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (CLO)	1. शाब्दबोधप्रक्रियायाः परिज्ञानम्भविष्यति। 2. व्याकरणशास्त्रपरम्परायाः परिज्ञानम्भविष्यति। 3. पारिभाषिकशब्दावल्याः परिज्ञानम्भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णाङ्काः 40
भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : L-T-P			
एककः	विषयः		व्याख्यानानां संख्या
1	महाभाष्यस्य मुख्य-गौणप्रयोजनानि पञ्चमुख्यानां त्रयोदशगौणप्रयोजनानां ज्ञानं भवति। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
2	वैयाकरणसिद्धान्तकल्पतरु इति ग्रन्थस्थधात्वर्थविचारः। वैयाकरणमते धात्वर्थः क इति परिचयेन सह पारिभाषिकफलव्यापारयोर्लक्षणज्ञानसम्पादनम्, आख्यातार्थः कः इति ज्ञानेन सह क्व फले आश्रयान्वयः क्व च व्यापारे इत्यादिविषयकज्ञानसम्पादनम्। मीमांसकनैयायिकमतखण्डनपुरस्सरं धातोर्व्यापारवाचित्वसंस्थापनम्। व्यापारस्य धात्वर्थत्वे प्रमाणान्तराणां ज्ञानम्। व्यापारस्य धातुवाच्यत्वसाधकप्रमाणज्ञानेन सह कारकाणां व्यापारे (भावनायां) एव अन्वये प्रमाणोपन्यासज्ञानसम्पादनम्। कारकाणां क्रियानन्वयस्वीकारः दोषयुक्तः तेन कर्त्रादौ विहितानामिन्यादीनामपि क्रिययैवान्वय इति प्रतिपादनेन प्रकरणान्ते धातोरेव भावना वाच्या नाख्यातप्रत्ययेन इति ज्ञानम्। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
3	वैयाकरणसिद्धान्तकल्पतरु इति ग्रन्थस्थलकारार्थसुबर्थविचारः वैयाकरणमते लकाराणां कः अर्थः? इत्यादि प्रत्येकं लकारस्य अर्थविशेषस्य मतमतान्तरनिरूपणपुरःसरं विस्तरेण परिचयः। सप्तविभक्तीनां विशिष्य के के अर्थाः इति प्रत्येकं विभक्तेः अर्थनिरूपणेन नैयायिकादीनां मतानि संदूष्य वैयाकरणसिद्धान्तस्य परिचयः। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।		15
4	मुख्याः परिभाषाः		15

	उभयगतिरिह भवति, यदागमास्तदुणीभूतास्तद्ग्रहणेन गृह्यन्ते, यत्रानेकविधमान्तर्यं तत्र स्थानत आन्तर्यं बलीयः, गौणमुख्ययोः मुख्येसम्प्रत्ययः, सन्निपातलक्षणविधिरनिमित्तस्य तद्विधातस्य, पूर्वं ह्यपवादा अभिनिविशन्ते पश्चादुत्सर्गाः, प्रातिपदिकग्रहणे लिङ्गविशिष्टस्यापि ग्रहणम्, लक्षणप्रतिपदोक्तयोः प्रतिपदोक्तस्यैव ग्रहणम् सकृद्गतौ विप्रतिषेधे यद् बाधितं तद् बाधितमेव, गतिकारकोपपदानां कृद्भिः सह समासवचनं प्राक् सुबुत्पत्तेः, असिद्धं बहिरङ्गमन्तरङ्गे इति परिभाषाणां ज्ञानं भवति। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	
5	वैयाकरणसिद्धान्तकल्पतरु इति ग्रन्थस्थस्फोटवादविमर्शः स्फोटः, स्फोटभेदाः, पदस्फोटः वर्णस्फोटः अखण्डपदवाक्यस्फोटाः जातिस्फोटस्यैव मुख्यता इत्यादीनां विचरणा विहिता। गतिविधिः- प्रदत्तविषयस्य संस्कृते प्रथमं शुद्धोच्चारणम्, रटनम्, लेखनाभ्यासः, कक्षायां सभायां वा उपस्थापनम् ।	15

सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) :

भागः स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. संस्कृतसाहित्येतिहासः आचार्यलोकमणिदहालः चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, उ.प्र.
2. व्याकरण शास्त्र का इतिहास श्री युधिष्ठिर मीमांसक बहालगढ, सोनीपत, हरियाणा
3. काशी की पाण्डित्य परम्परा आ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रो.अशोक चन्द्र गौड चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. वैयाकरणसिद्धान्तकल्पतरुः, डॉ. पङ्कजकुमारव्यासः, कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयः, रामटेक

Reference Books

- अष्टाध्यायी - पाणिनिविरचिता, सम्पादनं - श्रीगोपालदत्तपाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221 0011
- परिभाषेन्दुशेखरः - महामहोपाध्याय-नागेशभट्टविरचितः, सम्पादकः - सदाशिवशास्त्री, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, के.३७/११६, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी - २२१ ००१
- महाभाष्यम् - पतञ्जलिविरचितम्, संस्कर्ता - श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, सम्पादकः - श्रीनन्दकिशोरशास्त्री, प्रतिभाप्रकाशनं, २९/५, शक्तिनगर, दिल्ली - ११० ००७।

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. <http://vedicheritage.gov.in>

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः

अधिकतमांकः : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60

टिप्पणी :

